



एंजेल टैक्स और कैपिटल गेन टैक्स

स्रोत: लाइवमटि

हाल ही में वर्ष 2023 में किये गए संशोधनों और एंजेल टैक्स के व्यापक दायरे को स्टार्टअप फंडिंग में उल्लेखनीय कमी तथा उसके बाद नौकरी जाने (Job Losses) के बीच आलोचना का सामना करना पड़ा है।

- एक अन्य घटनाक्रम में कैपिटल गेन टैक्स/पूंजीगत लाभ कर ने, विशेषतः वर्ष 2024-25 के लिये आने वाले केंद्रीय बजट में, भारत में काफी ध्यान आकर्षित किया है।

एंजेल टैक्स क्या है?

परिचय:

- 'एंजेल टैक्स' को **सर्वप्रथम वर्ष 2012** में लागू किया गया था और **वर्ष 2023 के वित्त अधिनियम** के माध्यम से इसका विस्तार किया गया, ताकि कंपनियों में निवेश के माध्यम से बेहिसाब धन का सृजन तथा उसके उपयोग को हतोत्साहित किया जा सके।
- यह वह कर है, जो **गैर-सूचीबद्ध कंपनियों** द्वारा ऑफ-मार्केट लेन-देन में शेयर जारी करने के माध्यम से एकत्रित किये गए धन पर चुकाया जाना चाहिये, यदि वे कंपनी के उच्चतम बाजार मूल्य से अधिक हैं।
 - उच्चतम बाजार मूल्य (FMV)** किसी परसिंपत्त की वह कीमत है, जब **करेता और विक्रेता को इसके बारे में उच्चतम जानकारी** होती है तथा वे बिना किसी दबाव के व्यापार करने के लिये तैयार होते हैं।

वित्त अधिनियम, 2023 के तहत विस्तार:

- वित्त अधिनियम, 2023** के तहत **आयकर अधिनियम** की एक प्रासंगिक धारा में संशोधन किया गया था, ताकि विदेशी निवेशकों को एंजेल टैक्स प्रावधान के दायरे में शामिल किया जा सके।
 - वर्तमान में यदि कोई स्टार्ट-अप कंपनी किसी व्यक्ति से इक्विटी निवेश प्राप्त करती है, जो शेयरों के अंकित मूल्य से अधिक है, तो इसे स्टार्ट-अप के लिये आय माना जाता है, जो उस वित्तीय वर्ष के लिये 'अन्य स्रोतों से आय' की श्रेणी के तहत आयकर के अधीन होता है।
 - हाल ही में किये गए इस संशोधन में **विदेशी निवेशकों को भी शामिल किया गया है**। इसका अर्थ यह हुआ कि विदेशी निवेशकों से धन एकत्रित करने वाले स्टार्ट-अप भी करारधान के अधीन होंगे।
 - उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (DPIIT)** द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप को इस प्रावधान से बाहर रखा गया है।
- हालाँकि उद्योग जगत के वरिष्ठ एवं फंडिंग में गरिबत की चिन्ताओं के बाद, **वित्त मंत्रालय ने अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं सहित 21 देशों** के निवेशकों को भारतीय स्टार्टअप में निवेश हेतु एंजेल टैक्स लेवी से छूट प्रदान की है।
- वित्तीयन में कमी और रोजगार की हानि:** वर्ष 2023 में **भारतीय स्टार्टअप** को व्यापक स्तर पर फंडिंग चुनौतियों (पछिले वर्षों की तुलना में **फंडिंग में 60% से अधिक की गरिबत** दर्ज की गई) का सामना करना पड़ा।
 - वित्तीयन में इस कमी के परिणामस्वरूप पूरे सेक्टर में 15,000 से अधिक कर्मचारियों की छूटनी हुई।
- एंजेल टैक्स पर उद्योगों का दृष्टिकोण:** **भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)** तथा अन्य उद्योग हतिधारकों ने **आयकर अधिनियम, 1961** की धारा 56 (2) को नरिसति करने की सफारिश की है, जिसे आमतौर पर एंजेल टैक्स के रूप में जाना जाता है।

पूंजीगत लाभ कर:

- किसी 'पूंजीगत परसिंपत्त' की बिक्री से हमें जो भी लाभ प्राप्त होता है उसे 'पूंजीगत लाभ' कहा जाता है। आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार, इस लाभ को 'आय' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- इसीलिये संपत्त हस्तांतरित करने वाले व्यक्ति को अपने द्वारा कमाए गए लाभ पर आय के रूप में कर देना होता है जिसे '**पूंजीगत लाभ कर**' कहा जाता है। 'पूंजीगत लाभ' अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक हो सकता है।
 - दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ:** यह उन परसिंपत्तियों पर लागू होता है जिनमें 36 महीने से अधिक समयावधि के लिये रखा गया हो।
 - अल्पकालिक पूंजीगत लाभ:** यह उन परसिंपत्तियों पर लागू होता है जिनमें 36 महीने से कम समयावधि के लिये रखा गया हो। अचल संपत्तियों के मामले में यह अवधि 24 माह होती है।
- यदि कोई परसिंपत्त अपने खरीद मूल्य (purchase price) से कम मूल्य पर बेची जाती है तो दोनों मूल्यों के अंतर को 'पूंजीगत हानि' कहा जाता है और जब 'पूंजीगत लाभ' में से 'पूंजीगत हानि' को घटाया जाता है तो हमें **शुद्ध पूंजीगत लाभ (net capital gains)** प्राप्त होता है।

- पूंजीगत लाभ पर कर तभी लागू होता है जब कोई परसिंपत्तिका "वक्रिय" या "क्रय" की जाती है। प्रतविरष बढने वाले स्टॉक शेयरों पर तब तक पूंजीगत लाभ के लयि कर नहीं लगाया जाएगा जब तक कऱुनहें बेचा न जाए।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से भारत में काले धन की उत्पत्तिका कौन-सा एक प्रभाव भारत सरकार के लयि चतिा का प्रमुख कारण रहा है? (2018)

- (a) अचल संपत्तिका खरीद और लग्जरी आवास में नविश के लयि संसाधनों का गठजोड़ करना।
- (b) अनुत्पादक गतविधियिों में नविश और कीमती पत्थरों, आभूषणों, सोने आदिका खरीदारी करना।
- (c) राजनीतिक दलों को बड़ा दान और क्षेत्त्रवाद का विकास करना।
- (d) कर अपवंचन के कारण राजकोष को राजस्व की हानि पहुँचना।

उत्तर: (d)

प्रश्न. अप्रवासी सत्त्वों द्वारा दी जा रही ऑनलाइन वजिजापन सेवाओं पर भारत द्वारा 6% समकरण कर लगाए जाने के नरिणय के संदर्भ में नमिनलखिति में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं? (2018)

- 1. यह आय कर अधनियिम के भाग के रूप में लागू कयिा गया है।
- 2. भारत में वजिजापन सेवाएँ देने वाले अप्रवासी सत्त्व अपने गृह देश में "दोहरे कराधान से बचाव समझौते" के अंतर्गत टैक्स क्रेडिट का दावा कर सकते हैं।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)